

अधोवायु स्त्री. (तत्.) अपान वायु, गुदा की वायु, पाद, नीचे की हवा।

अधोवृद्धि वर्तन पुं. (तत्.) कृषि. किसी अंग की ऊपरी सतह की अपेक्षा निचली सतह की अधिक वृद्धि होना, जिसके कारण वह अंग ऊपर की ओर मुंड जाता है। hyponasty

अधोहनु पुं. (तत्.) आयु. निचले जबड़े की हड्डी mandible

अधोशुक पुं. (तत्.) 1. शरीर के नीचे के भाग में पहनने का वस्त्र (धोती, पाजामा आदि) 2. कोट आदि में लगा अस्तर।

अधोहस्ताक्षरी वि.पुं. (तत्.) शा.अर्थ. नीचे हस्ताक्षर करने वाला प्रशा. किसी प्रपत्र या प्रलेख की इबारत के नीचे हस्ताक्षर करने वाला। undersigned

अधौरी स्त्री. (देश.) एक प्रकार का बड़ा पहाड़ी वृक्ष, बकली, धौरा।

अध्मान पुं. (तत्.) 1. ध्मान अर्थात् फूँक मारने का अभाव, फूँकन मारना 2. फुलाव, फैलाव या वृद्धि न होना 3. गर्वहीनता।

अध्यक्ष पुं. (तत्.) 1. सभापति 2. प्रधान, सरदार, मुखिया 3. मुख्य अधिकारी, अधिष्ठाता 4. स्वामी, मालिक।

अध्यक्षता स्त्री. (तत्.) अध्यक्ष होने की अवस्था, भाव 2. अध्यक्ष का पद, कार्य।

अध्यक्षर क्रि.वि. (तत्.) अक्षरशः पुं. (तत्.) ओउम् मंत्र या शब्द।

अध्यक्षीय वि. (तत्.) अध्यक्ष से संबंधित, अध्यक्ष का।

अध्यग्नि पुं. (तत्.) विवाह के समय अग्नि को साक्षी कर के कन्या को दिया जाने वाला दहेज। अव्य. विवाह की अग्नि के पास।

अध्यधिभाषा स्त्री. (तत्.) वह भाषा जिसके माध्यम से अधिभाषा के विषय में चर्चा की जाती है।

अध्यधीन वि. (तत्.) पूर्णतः अन्य के अधीन हो।

अध्ययन पुं. (तत्.) पठन-पाठन, पढ़ाई, अनुशीलन।

अध्ययनशील वि. (तत्.) अधिक अध्ययन करने के स्वभाव वाला, अधिक पढ़ने वाला।

अध्ययनार्थ क्रि.वि. (तत्.) अध्ययन के लिए, अध्ययन के प्रयोजन के लिए।

अध्ययनावकाश पुं. (तत्.) अध्ययन के लिए छात्रों (और शिक्षकों) को दिया जाने वाला अवकाश।

अध्ययनीय वि. (तत्.) अध्ययन के योग्य, पठनीय।

अध्ययनेतर वि. (तत्.) [अध्ययन+इतर] अध्ययन से भिन्न, अध्ययन से बाहर के विषय, कार्य।

अध्यर्थ वि. (तत्.) जिसके पास आधा अधिक हो, एक से आधा अधिक, डेढ़ पुं. (तत्.) वायु जो सबको धारण करने वाली और वर्धित करने वाली है और सारे संसार में व्याप्त है।

अध्यवरोधन पुं. (तत्.) खेल. प्रतिपक्षी खिलाड़ी द्वारा प्रहार की गई गेंद को अपने पाले में पहुँचने से पहले ही जाल के ठीक ऊपर (हाथ को अपने पाले में ही रहने देकर) प्रतिपक्षी के पाले में ही रोक देना। over blocking

अध्यवसान पुं. (तत्.) 1. प्रयत्न, निश्चय 2. दृढ़ता 3. प्रकृत-अप्रकृत की ऐसी अभिन्नता जिसमें एक दूसरे में पूर्णतया समाहित हो।

अध्यवसाय पुं. (तत्.) 1. लगातार उद्यम, दृढ़तापूर्वक किसी काम में लगा रहना, परिश्रम 2. लगन 3. दृढ़ निश्चय।

अध्यवसायी वि. (तत्.) 1. लगातार उद्यम करनेवाला, परिश्रमी, उद्योगी, उद्यमी 2. प्रयत्नशील 3. उत्साही।

अध्यवसित वि. (तत्.) जिसके लिए प्रयास संकल्प या उद्दयम किया गया हो, सुनिश्चित।

अध्यस्त वि. (तत्.) 1. जिसका आरोपण हुआ हो, आरोपित 2. किसी वस्तु में जिसका अध्यास (मिथ्या भ्रम) हो जैसे रात में रस्सी को साँप समझ लेना, यहां रस्सी 'अधिष्ठान' है और साँप 'अध्यस्त' है।

अध्यांतरण पुं. (तत्.) किसी वस्तु के स्थूल रूप से सूक्ष्म रूप और आध्यात्मिक रूप की ओर प्रवृत्त होने की क्रिया।